असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

01 मार्च, 2017

षोडश विधान सभा 01 मार्च, 2017 ई0

पंचम सत्र बुधवार, तिथि 10 फाल्गुन, 1938(शक)

(कार्यवाही प्रारम्भ होने का समय- 11.00 बजे पूर्वाह्न)

(इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की जाती है ।

प्रश्नोत्तर काल

श्री प्रेम कुमार, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, 22 फरवरी को पूर्णिया में अमौर प्रखण्ड में राज्य सरकार के माननीय मंत्री अब्दुल जलील मस्तान जी के द्वारा माननीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के बारे में नक्सलाईट, डकैत, उग्रवादी कहा गया साथ ही साथ असंसदीय अमर्यादित भाषा का उन्होंने प्रयोग किया है । उसके अलावे प्रधानमंत्री के तस्वीर को लाकर अपने लोगों को भड़काया और चप्पल, जूता, लाठी से चित्र पर प्रहार किया गया । ये घटना काफी दुखद है । हमारा कहना है कि इस तरह राज्य के संवैधानिक पद पर बैठे हुए मंत्री के द्वारा जो आचरण किया गया है, हम नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री जी से, मांग करते हैं कि ऐसे मंत्री को बर्खास्त करें । भारतीय जनता पार्टी इसे बर्दाश्त नहीं करेगी । हम बर्खास्तगी की मांग कर रहे है । महोदय, जिस तरह से जलील ....

अध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष आप एक गम्भीर मुद्दे को उठा रहे हैं । हम चाहते हैं कि हमलोगों को भी ....

श्री प्रेम कुमार, नेता विरोधी दल : बहुत गंभीर मुद्दा है । महोदय, देश के प्रधानमंत्री जी के साथ जिस तरह से टिप्पणी की है इसकी जितनी भी निन्दा की जाय वह कम है । हम नीतीश कुमार जी से मांग कर रहे हैं कि संवैधानिक पद पर बैठा मंत्री बिहार सरकार का उस को सरकार बर्खास्त करे । भारतीय जनता पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी, एन0डी0ए0 बर्दाश्त नहीं करेगी । महोदय, हम चाहते हैं कि मुख्यमंत्री उनकी बर्खास्तगी की घोषणा करें ।

अध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष, आप जिस मामले को उठा रहे हैं आप उसे समय पर उठाईये ।

श्री प्रेम कुमार, नेता विरोधी दल : जिस तरह आचरण किया है जलील मस्तान ने, जिसतरह का आचरण किया है एक बंग्लादेशी ये बिहार में आकर रहने वाला , बिहार सरकार का मंत्री जिसतरह से हमारे माननीय प्रधानमंत्री पर नक्सलाईट, डकैत, उग्रवादी कह करके संबोधन करके हमारे प्रधानमंत्री जी के साथ जिस तरह से इन्होंने टिप्पणी की है, अमर्यादित भाषा का महोदय, असंसदीय भाषा का इसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे । अब्दुल जलील मस्तान को नीतीश कुमार बर्खास्त करने का काम करें । बर्खास्तगी नहीं होगी तो हमलोग बैठेंगे नहीं ।

(इस अवसर पर भाजपा के माननीय सदस्यगण कुछ कहते हुए सदन के वेल में आए)

(व्यवधान)

श्री प्रेम कुमार, नेता विरोधी दल : सदन को चलने नहीं देंगें । देश के प्रधानमंत्री जी के साथ जिस तरह से नक्सलाईट, डकैत और उग्रवादी कहने का बिहार सरकार के मंत्री अब्दुल जलील मस्तान के द्वारा जिसतरह की भाषा का प्रयोग किया गया है इसकी जितनी भी निन्दा हम करते हैं कम है । सरकार अविलम्ब मंत्री को अरेस्ट, मंत्री को बर्खास्त करें । हम बर्खास्तगी की मांग करते हैं । नीतीश कुमार आएं और सदन में मंत्री को बर्खास्त करने का काम करें । यदि ऐसा महोदय, नहीं होता है तो हम बैठेंगे नहीं, सदन को चलने नहीं देंगे।

(इस अवसर पर भाजपा के माननीय सदस्यों ने प्रतिवेदक टेबुल को उलट दिया)

(व्यवधान)

श्री प्रेम कुमार, नेता विरोधी दल : इसकी जवाबदेही नीतीश कुमार की होगी । नीतीश कुमार ऐसे बेलगाम मंत्रियों पर नियंत्रण नहीं कर रहे हैं । ऐसे बेलगाम मंत्री को बर्खास्त करें ।

अध्यक्ष : अब सभा की कार्यवाही 12 बजे दिन तक के लिए स्थगित की जाती है ।

(स्थगन के बाद)

(इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्षः अब सभा की कार्यवाही प्रारंभ की जाती है ।

श्री प्रेम कुमार, नेता, प्रतिपक्षः महोदय, माननीय मंत्री, श्री अब्दुल जलील मस्तान जी के द्वारा जो भद्दी टिप्पणी की गयी है, नक्सलाइट कहा गया है, डकैत कहा गया है और उग्रवादी कहा गया है उनके चित्र पर जिस तरह किया गया है हम आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से आग्रह भी किया था कि उनकी बरखास्तगी हो, उन पर मुकदमा दर्ज हो और ऐसे लोगों पर कार्रवाई हो महोदय ताकि घटनाओं की बिहार में पुनरावृत्ति न हो। इससे बिहार की छवि खराब हो रही है, सरकार की बदनामी हो रही है । पुनः महोदय आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री से हम आग्रह करेंगे कि उनकी बरखास्तगी हो, गिरफ्तारी हो, उनको जेल भेजा जाय । जिस तरह का आचरण उन्होंने किया है जिस तरह से असंसदीय अमर्यादित आचरण उन्होंने किया है और असंसदीय भाषा का प्रयोग महोदय किया है । इसके लिए आपके माध्यम से हमने माननीय मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि ऐसे मंत्री को बरखास्त किया जाय महोदय । माननीय मुख्यमंत्री सदन में आएं और सदन में आकर इस बात की घोषणा महोदय करें । माननीय मुख्यमंत्री महोदय आएं सदन में सदन में आकर घोषणा करें । और महोदय, हमारा स्पष्ट कहना है कि क्या चाहते हैं कि देश के प्रधानमंत्री के बारे में अशलील टिप्पणी हो कोई नहीं चाहेगा । जो आचरण महोदय इन्होंने किया है ।

अध्यक्षः माननीय नेता, प्रतिपक्ष । एक मिनट सुन लीजिये न । एक मिनट सुन लीजिये। बैठ जाइये न ।

माननीय सदस्यगण, नेता,प्रतिपक्ष आज सदन की कार्यवाही प्रारंभ होने के समय भी एक मुद्दे की चर्चा कर रहे थे । उस समय भी मैंने आसन की तरफ से उनसे आग्रह किया था कि प्रश्न काल चले । फिर जो शून्यकाल का समय होता है उस समय अगर किसी गंभीर विषय को उठाया जाता है तो सरकार को उसमें क्या कहना है या सरकार का क्या स्टैंड है उसके संबंध में भी जानकारी का सदन की नियमावली के हिसाब से अवसर होता है । अभी माननीय नेता, प्रतिपक्ष ने उठाया है और जैसा कि मैंने उस समय भी सुना था माननीय मंत्री, श्री अब्दुल जलील मस्तान जी के द्वारा जो मीडिया में समाचार है, सच्चाई जो होगी, आपको पता होगा, मंत्री जी को पता होगा या दोनों सच्चाई के बारे में अपनी अपनी जानकारी बता सकते हैं लेकिन आया है कि उन्होंने प्रधानमंत्री के बारे में कोई अभद्र टिप्पणी है । जो कुछ मीडिया में आया है वह संसदीय प्रणाली के लिए अच्छा नहीं है, शोभनीय नहीं है । उस समय भी आपसे बात हुई थी, आज भी जब आपलोग मुख्य द्वार पर बैठे हुए थे मैंने संबंधित मंत्री, संबंधित मंत्री जिस दल से आते हैं उसके वरिष्ठ नेताओं से, अध्यक्ष से, विधायक दल के नेता से, संसदीय

कार्य मंत्री और सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों से हमने विमर्श किया तथा सब लोगों की राय है कि अगर मीडिया में ऐसी बात है तो इसको क्लैरिफाई करना चाहिए कि सही बात क्या है । उसी सिलसिले में मैंने आपको भी संदेश दिया था कि अगर आप आ जायं तो जो नेताओं की राय है, अगर यह अच्छा नहीं है शोभनीय नहीं है तो इसका क्या निराकरण हो सकता है कि सदन की, सदस्यों की, प्रधानमंत्री पद की या किसी राजनेता की मर्यादा भी बनी रहे पर साथ ही सदन की कार्यवाही भी चले इसका क्या रास्ता निकल सकता है, इसी के संबंध में विमर्श करने के लिए मैंने आपको संदेश उस समय दिया था । खैर, आप उस समय नहीं आए । अभी संयोग से सदन की कार्यवाही प्रारंभ हुई है और आप फिर उस मसले को उठा रहे हैं । अगर आप सबों की राय हो तो सरकार भी मौजूद है, संबंधित मंत्री भी मौजूद हैं, क्या स्थिति है, क्या कहना है सरकार का, उनका क्या कहना है अगर आप सुनना चाहें और मेरी समझ से सुनना चाहिए क्योंकि प्रजातंत्र या लोकतंत्र में विमर्श या एक दूसरे की बात सुनकर ही सच्चाई या अगर वह गलत है तो उसके लिए निराकरण की तरफ हम बढ़ते हैं । तो इसलिए हम यही चाहते हैं कि आपने अपनी बात कह दी है और आप जो कह रहे हैं वह मीडिया में हमने भी पढ़ा है । पर मीडिया में जिस रूप से आया है हकीकत क्या है वह तो माननीय मंत्री बतायेंगे । मीडिया में जिस रूप से आया है वह सही मायने में किसी को भी अच्छा नहीं लगेगा । कोई उसको अच्छा नहीं मानेगा । इसलिए अभी माननीय मंत्री भी मौजूद हैं, सरकार के भी वरिष्ठ मंत्रीगण मौजूद हैं, इसलिए हम चाहते हैं कि अगर सरकार की तरफ से मंत्री मौजूद हैं अगर आप कुछ कहना चाहते हैं, इसमें स्थिति स्पष्ट करना चाहते हैं तो आप मंत्री जी बताइये ।

श्री नीरज कुमार सिंह: महोदय, मंत्री पर देशद्रोह का मुकदना चलाना चाहिए ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष: नहीं ये तो । नीरज जी ।

(व्यवधान)

श्री प्रेम कुमार,नेता, प्रतिपक्ष: दुखद महोदय है काफी असहनीय है । और महोदय, यह बात सत्य है मैं जिम्मेवारी के साथ कह रहा हूं विडियो वायरल जो हुआ है महोदय जो हुआ है मैंने देखा है सुना महोदय है जिस तरह भाषण के दौर में इन्होंने जिन बातों की चर्चा की है जिसको बोलना नहीं चाहते हैं दुबारा महोदय काफी असहनीय, काफी दुखद है । इस घटना की जितनी निंदा की जाय महोदय वह कम है । वास्तव में महोदय आपने जो अखबारों में देखा मिडिया में देखा हमने भी देखा महोदय । हमलोगों ने स्पष्ट महोदय कहा है कि माननीय मुख्यमंत्री सदन में आएं, सदन के नेता हैं और ऐसे मंत्री को बरखास्त करने की घोषणा करें उससे हम पीछे हटने वाले नहीं है । बात जब साबित हो गया है कि दोषी हैं तो दोषी पर महोदय अब क्या कहेंगें जब बात सामने में आ गयी

(व्यवधान)

गयी है वे तो नंगा हो चुके हैं । प्रधानमंत्री को नक्सलाइट कहना, प्रधानमंत्री को डकैत कहना, प्रधानमंत्री को उग्रवादी कहना, प्रधानमंत्री को भद्दी भद्दी गालियां देना क्या बिहार सरकार के माननीय एक संवैधानिक पद पर बैठे मंत्री को शोभा देता है । यह जो महोदय आचरण हुआ है हमलोगों का साफ मानना है कि माननीय मुख्यमंत्री सदन में आएं और सदन में आकर उनकी बरखास्तगी की घोषणा करें ।

अध्यक्ष: माननीय प्रेम बाबू ।

श्री प्रेम कुमार, नेता, प्रतिपक्ष: हम अपने आंदोलन को महोदय वापस ले लेंगे । महोदय आप नेता, सदन को बुलवाइये । सदन में माननीय मुख्यमंत्री जी आएं और आकर ऐसे असंसदीय, अमार्यादित आचरण करने वाले मंत्री को बरखास्त करने का एलान करें । हम आपके साथ महोदय हैं इससे तनिक भी पीछे हटने वाले नहीं हैं । भारतीय जनता पार्टी एन.डी. ए. इसको बरदास्त नहीं करेगी महोदय देश का अपमान हुआ है, बिहार का अपमान हुआ है । देश के प्रधानमंत्री जी के साथ जिस तरह से भद्दी भद्दी गालियां दी गई हैं, टिप्पणी की गयी है वह असहनीय है, अशोभनीय है ।

अध्यक्ष: प्रेम बाबू ।

श्री प्रेम कुमार, नेता, प्रतिपक्ष हमारी मांग है आप बुलाइये । सदन के नेता को बुलाइये । नेता सदन के आएं ।

अध्यक्ष: प्रेम बाबू । उस दल के नेता कुछ कहना चाहते हैं ।

श्री सदानंद सिंह: अध्यक्ष महोदय ।

(व्यवधान)

टर्न–3/01.03.2017/बिपिन

(व्यवधान)

(इस अवसर पर भाजपा के माननीय सदस्यगण कुछ कहते हुए वेल में आ गये)

(व्यवधान)

अध्यक्ष : प्रेम बाबू, माननीय मंत्री जिस दल से आते हैं, उसके विधायक दल के नेता कुछ कह रहे हैं । उनकी बात तो सुन लीजिए । वह क्या कह रहे हैं, सुन तो लीजिए । माननीय सदानन्द बाबू कहिए ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदानन्द बाबू, आप कहिए न । प्रेम बाबू, आपने तो कह दिया न, उस दल के नेता कुछ कह रहे हैं न ! आप सुन लीजिये ।

(व्यवधान)

आप बोलिए न । आप बोलिए न ।

(व्यवधान)

श्री सदानन्द सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय नेता,विपक्ष श्री प्रेम कुमार जी जितनी बात कह रहे हैं और जो मीडिया में बातें प्रकाशित हुई हैं, उसके लिए हमें भी खेद है और संपूर्ण

सदन को भी खेद है, लेकिन माननीय मंत्री जी से जो बात हुई है, उनसे बात करने के बाद लगता है कि उन्होंने इस तरह की बात की ही नहीं है । माननीय मंत्री उपस्थित हैं, उनसे तो कम-से-कम जानकारी ले लीजिए । किसी केस में भी, जिसको सजा देनी होती है, उसको भी एक मौका मिलता है । यह क्या है ? एक तरफा बात नहीं हो सकती है । हमारे मंत्री यहां उपस्थित हैं, उनसे राय ले लीजिए, उनकी क्या राय है, वह क्या कहते हैं ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : उनकी बात तो सुन लीजिए । मंत्री क्या कह रहे हैं, मंत्री मौजूद हैं न । उनकी बात से अगर आप संतुष्ट नहीं होईएगा तो कहियेगा । अभी इनको तो रोकिए । यह तरीका सही नहीं है ।

(इस अवसर पर भाजपा के मा0सदस्यों ने प्रतिवेदक टेबल को उलट दिया)

प्रेम बाबू, यह सदन का तरीका नहीं है । जब आपकी बात हम सुन रहे हैं, ये लोग प्रतिवेदक टेबुल क्यों उलटेंगे ? ऐसे में कार्रवाई होगी । प्रेम बाबू, ऐसे में हम कार्रवाई करेंगे । यह कोई तरीका नहीं है । हम आपकी बात सुन रहे हैं । क्यों टेबुल उलटेंगे ? यह गलत बात है । इस तरीके से नहीं चल सकता है । हम आपकी बात सुन रहे हैं और ये टेबुल उलटा रहे हैं ? यह कोई तरीका है क्या ? यह बिल्कुल गलत तरीका है । ऐसे में कार्रवाई होगी । यह तरीका सही नहीं है । हम आपकी बात सुन रहे हैं । हम आपको मौका देते हैं और ये वेल में आकर टेबुल उलटते हैं । यह कोई तरीका है क्या ?

(व्यवधान)

श्री श्रवण कुमार, मंत्री: अध्यक्ष महोदय, जिन बातों की चर्चा विपक्ष के नेता आदरणीय प्रेम कुमार जी ने किया है महोदय, हम सब लोग दु:खी हैं, लेकिन जिस तरीके से बातों को प्लेस कर रहे हैं महोदय, इसका मतलब यह है कि इनको संसदीय लोकतंत्र से विश्वास उठ गया है । किसी भी व्यक्ति पर अगर कोई आरोप लगता है, किसी ने कोई गलत बात अगर कही है तो उनकी बात को सुनना चाहिए और संसदीय मर्यादा की बात करते हैं तो मर्यादा में इनको भी रहना चाहिए । संसदीय परम्परा और संसदीय प्रणाली में इनको विश्वास रखना चाहिए और जहां तक संवैधानिक पद पर बैठे लोग किसी के बारे में इस तरह की टिप्पणी नहीं करने की बात कहते हैं, लेकिन देश के प्रधान मंत्री, जो सर्वोच्च पद पर बैठे हुए हैं, उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार का डी.एन.ए. खराब है तो बड़े जगह पर जो बैठे लोग हैं, अगर संवैधानिक मर्यादा का, कानून का अगर पालन नहीं करते हैं तो अगर छोटे-मोटे लोगों से अगर कोई गलती होती है तो उनको फांसी की सजा हो सकती है ? तो बड़े लोगों के लिए भी होना चहिए, कानून सबके लिए बराबर है महोदय ।

(व्यवधान)

दूसरी बात मैं कहना चाहता हूं महोदय कि आसन पर भरोसा करना चाहिए विपक्ष को भी और जिस तरह से दो-तीन दिनों से लगातार पहली पाली में भी और इसके कवल भी टेबुल उलटने का काम हो रहा था, यह संसदीय आचरण का प्रतीक नहीं है, यह संसदीय आचरण के प्रतिकूल है । मैं आसन से आग्रह करना चाहता हूं कि सदन को चलाने में जो कार्य संचालन नियमावली है और कानून जो कहता है, उसके हिसाब से कार्रवाई होनी चाहिए ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : अब सदन की कार्यवाही 2.00 बजे दिन तक के लिए स्थगित की जाती है ।

....

टर्न: 04/कृष्ण/01.03.2017

(अंतराल के बाद)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारंभ की जाती है । वित्तीय कार्य लिये जायेंगे ।

श्री प्रेम कुमार,नेता,विरोधी दल : माननीय अध्यक्ष महोदय, पूरी दुनिया ने देखा है, पूरे देश ने देखा है मंत्री के आचरण को । महोदय, सदन नेता सदन में आयें ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप उसके संबंध में किसी को कुछ कहने दीजियेगा तब न सफाई वह देंगे । हमने तो आसन की तरफ से आप से आग्रह किया था, हमने उस दल के नेता से, सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों से बात की है । जिस बात की चर्चा आप कर रहे हैं, वह गंभीर है । उसका सही निराकरण संसदीय लोकतंत्र के हित में होना चाहिए । अभी जो मध्याह्न अवकाश था, उसके पहले भी हमने आप से आग्रह किया कि जिस दल से माननीय मंत्री आते हैं, जिनके बारे में आरोप लगा रहे हैं, उस दल के विधायक दल के नेता भी कहना चाह रहे थे, वह मंत्री स्वयं सदन में उस समय भी मौजूद थे और अभी भी मौजूद हैं, वह भी कुछ कहना चाह रहे हैं । अब अपनी व्यवस्था में, अपनी इस प्रणाली में कुछ भी कहने, करने, सोचने, निर्णय लेने से पहले तो सब की बात सुननी ही पड़ती है । अगर आप वह नहीं सुनेंगे तो एक तरफा फैसला कैसे ले सकते हैं ?

श्री प्रेम कुमार,नेता,विरोधी दल : महोदय, जो बात साबित हो गयी है, जो पूरी दुनिया देख चुकी है, पूरा देश देख चुका है मंत्री के आचरण को ।

(व्यवधान)

महोदय, सदन नेता यहां पर आयें, उन पर कार्रवाई करें, उनकी बर्खास्तगी करें ।

अध्यक्ष : आप पहले सुन लीजिये ।

श्री प्रेम कुमार,नेता,विरोधी दल : महोदय, क्या सफाई होगा ? जो बात साबित हो गयी है, पूरी दुनिया देख लिया है मंत्री के आचरण को, असंसदीय भाषा को, इनके द्वारा अमर्यादित आचरण जो किया गया है, उसे पूरा देश और दुनिया देख चुका है, महोदय, साबित हो गया है, सफाई क्या होगा ? हम चाहते हैं कि नेता,सदन यहां पर आयें, माननीय मुख्यमंत्री यहां पर आये ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : अगर आप किसी की नहीं सुनियेगा तो आपकी बात कोई कैसे सुनेगा ?

श्री प्रेम कुमार,नेता,विरोधी दल : महोदय, मेरा आपसे आग्रह है कि सदन नेता,माननीय मुख्यमंत्री जी यहां आयें, कार्रवाई करें, सदन चले लेकिन जबतक माननीय मुख्यमंत्री नहीं आते हैं, कार्रवाई जबतक नहीं होती है, हम पीछे हटेंगे नहीं । हमारी मांग बर्खास्तगी की है । इसलिए हम चाहते हैं कि माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी सदन में आयें ।

अध्यक्ष : माननीय नेता,प्रतिपक्ष ।

(व्यवधान)

श्री प्रेम कुमार,नेता,विरोधी दल : सदन नेता आयें और घोषणा करें । कार्रवाई की घोषणा करें महोदय, तब हम सदन चलाने के पक्ष में है । देश के प्रधानमंत्री के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया है, जिस तरह से असंसदीय टिप्पणी की गयी है, जिस तरह से अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया गया है, हम आपके माध्यम से आग्रह करते हैं कि माननीय मुख्यमंत्री जी सदन में आये और आने के बाद उन पर कार्रवाई करें और तब महोदय सदन चले । मेरा यही कहना है । महोदय, सफाई क्या होगी ? सारी बात साबित हो गयी है पूरी दुनिया देखा है, विडियो वायरल हुआ है, टेलीविजन पर आ रहा है, उन्होंने क्या कहा है । सफाई दिलवाना क्या है ? वे आकर खेद प्रकट करेंगे । हमारा कहना है, हमलोग चाहते हैं कि सरकार इनको बर्खास्त करें, इन पर कार्रवाई करें, उससे हम पीछे हटनेवाले नहीं हैं ।

अध्यक्ष : माननीय नेता,प्रतिपक्ष प्रेम बाबू, जबतक आप ....

(व्यवधान)

बैठ जाईये, बैठ जाईये । शक्ति जी आप बैठ जाईये । यह तो वैसे भी नैसर्गिक न्याय का सिद्धांत है कि किसी के खिलाफ आप कार्रवाई की मांग कर रहे हैं तो उसकी बात तो सुननी पड़ेगी न । किसी के खिलाफ बिना उसके सुने उस पर कार्रवाई कैसे हो सकती है ?

(व्यवधान)

श्री श्रवण कुमार,मंत्री : अध्यक्ष महोदय ।

अध्यक्ष : सरकार क्या कह रही है,सुनिये ।

(इस अवसर पर भाजपा के माननीय सदस्यगण कुछ कहते हुए वेल में आ गये)

श्री श्रवण कुमार,संसदीय कार्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय नेता,विपक्ष जिन बातों को उठा रहे हैं, उसके बारे में कांग्रेस विधायक दल के नेता आदरणीय सदानन्द बाबू ने और बाहर में कांग्रेस के माननीय अध्यक्ष श्री अशोक चौधारी जी अपनी बात को रखे हैं महोदय और जिस तरह से नेता,प्रतिपक्ष हाउस को मिसलिड कर रहे हैं, ये तो चैलेंज कर रहे हैं, ये माननीय स्पीकर की भी बात नहीं सुनना चाहते हैं, इनको संसदीय परम्परा में, संसदीय व्यवस्था में कोई विश्वास नहीं है । महोदय, ये अपनी बात रख लेते हैं और माननीय सदस्यों को वेल में भेजते हैं । नेता,विपक्ष किस स्वस्थ्य परम्परा का निर्वहन करना चाहते हैं । अगर इसी तरह से नेता,विपक्ष का रवैया रहा तो बिहार की जनता इनको देख रही है कि किस तरह से ये कर रहे हैं । तो संसदीय लोकतंत्र में इनका विश्वास खत्म है । आसन की तरफ से कहा गया कि इनकी बात को सुनना चाहिए । माननीय मंत्री यहां बैठे हैं, इनकी बात को सुनिये । सिर्फ और सिर्फ अपनी बात पर अड़े मत रहिये । इस तरह से संसदीय लोकतंत्र नहीं चलता है । इस तरह से विधायिका का कार्य नहीं चलता है, नहीं चलाया जाता है ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : प्रेम बाबू, आखिर आप दूसरे की बात नहीं सुनियेगा तो फिर यह लोकतंत्र कैसे चलेगा ?

(व्यवधान)

प्रेम बाबू, आप उनकी बात सुन लीजिये, फिर हम आपको मौका देंगे ।

(व्यवधान)

आप को फिर हम मौका देंगे । आप बोल रहे हैं और ये लोग नारा लगा रहे हैं ।

(व्यवधान)

श्री श्रवण कुमार,मंत्री,संसदीय कार्य : महोदय, माननीय मंत्री की बात तो इनको सुननी चाहिए ।

माननीय मंत्री की बात नहीं सुनना चाहते हैं, एक तरफा निर्णय चाहते हैं, आसन पर भी भरोसा नहीं है और संसदीय लोकतंत्र का, कार्य संचालन नियमावली का, संविधान की बात करते हैं ।

(व्यवधान)

श्री प्रेम कुमार,नेता,विरोधी दल : महोदय, पूरा देश देखा है, पूरी दुनिया देखा है, नेता, सदन माननीय मुख्यमंत्री आयें और उन पर कार्रवाई करें ।

अध्यक्ष : जिस जनतंत्र की दुहाई देते हैं, दूसरे की बात नहीं सुनना उसी जनतंत्र के सिद्धांतों के विपरीत है न । आप दूसरे की नहीं सुनियेगा, फिर आप कैसे फैसला ले सकते हैं ?

(व्यवधान)

आसन यह मानता है कि जिस संबंधित मंत्री पर या जिस भी सदस्य पर आरोप लगता है, उसको सदन में अपनी बात रखने का, स्पष्टीकरण देने का पूरा अधिकार है । यह आसन स्पष्ट मानता है कि किसी भी संबंधित सदस्य या मंत्री को यह मौका दिया जाना चाहिए कि किसी घटना के संबंध में उनका क्या कहना है ।

श्री प्रेम कुमार,नेता,विरोधी दल : महोदय, घटना साबित हो गया है । सारी दुनिया देखा है, विडियो वायरल हो गया है । आपने देखा है, पूरा देश देख रहा है,पूरी दुनिया देखा है कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में किस तरह श्री अब्दुल जलील मस्तान जो राज्य सरकार के मंत्री हैं, किस तरह का आचारण किया है, किस तरह असंसदीय, अमर्यादित आचरण किया है ।

अध्यक्ष : अब सभा की बैठक दिन वृहस्पतिवार दिनांक 02 मार्च,2017 के 11.00 बजे पूर्वा0 तक के लिये स्थगित की जाती है ।

.....